REPORT

Matrabhasha Diwas- 21.02.2022

Report on celebration of Poetry Competition on Matrabhasha Diwas (Mother Language day) at Tecnia Institute of Advanced Studies, Rohini on 21.02.2022

Event : **Poetry Competition on Matrabhasha Diwas (Mother Language day)**

Convener : Ms. Vaishali Prasad, NSS- Nodal Officer

Date : 21st February, 2022

Day : Monday

Time : 12:00 PM - 01:00 PM

Event Mode : Offline

Venue : Multipurpose Hall, PG Building, TIAS

Participants : Students of MBA/BBA/BCA/BA(JMC) Programme

No of Participants : 14

OBJECTIVES

1. To enlighten students with the importance of their native language.
2. To help them in understanding the rich lingual culture of the country.
3. To portray Mother Tongue as a symbol of pride for all the countrymen/women.
4. To celebrate this day is to promote and propagate the Mother language.

REPORT

International Mother Language Day (IMLD) formally recognized by UNESCO on 17 November 1999 with the adoption of UN resolution 56/262 Multilingualism in 2002. IMLD is proclaimed for worldwide annual observance on 21 February; with objective to promote awareness of linguistic and cultural diversity and to promote multilingualism. The student volunteers of NSS and Literary Club of Tecnia Institute of Advanced Studies celebrated IMLD in the Campus as a mark of acknowledgement of Mother Tongue as the Language. Dr Ajay Kumar Director TIAS highlighted about globally 40 % of the population does not have access to an education in a language they speak or understand. Multilingual and multicultural societies exist through their languages which transmit and preserve traditional knowledge and cultures in a sustainable way. Dr. Ashutosh Bajpai, HOD-MBA highlighted that relevance of mother language, emphasized on speaking in public without inhibitions as it's a carrier of our cultural and linguistic diversity for

sustainable societies and should feel proud of it. He spoke about Language hierarchies. IMLD helps in nourishing traditional values and glorifying them to reinforce the languages' status.

Throughout history, poets have used this communication medium to express their thoughts, feelings, ideas and perspectives. By using rhythm, rhyme, meter and line breaks, poets have addressed everything from the nature of love or the beauty of a spring day to complex social issues. By participating in such events students can gain a greater understanding, not only of literature and language; but of themselves human relations and the world they live in. The event invited 14 amazingly talented Poets to perform their best pieces filled with emotions.

Mr Surbhit, BA(J&MC) student and other participants discussed about influence of foreign language; but also reiterated that natural flow comes through the mother tongue as the child starts thinking process in it. Later, the students mentioned about the two contradictory attitudes towards English – English as the aspirational language which brings cultural capital, and English as the language of the "show-offs". The idea to celebrate International Mother Language Day was the initiative of Bangladesh. It has been celebrated throughout the world since 2000. UNESCO believes preserving the differences in cultures and languages that foster tolerance and respect for others.

LEARNING OUTCOME:

Students gained in the following areas:

1. Generated the inquisition towards literature and writing skills.
2. Better appreciation of the poetry, as a literary art form.
3. Recognition of the rhythms, metrics and other musical aspects of poetry.
4. Development of creativity and enhancement of the writing skills.

GLIMPSE

अफ़सोस की रजाई ओढ़े,
वीरान रातों में,
एक ही ख्याल आता है की
खुद से मोहब्बत कर लेते तोह बेहतर होता!

Komal Rawat
BA(JMC)
M/A

Har Din Kuchh Naya

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU..

KABHI KISI PICTURE KI KAHANI SE SIKHTA HU..
TO KABHI APNI HI KHUD KI HUI NADAANI SE SIKHTA HU..

KABHI KRISHNA KI VANI SE SIKHTA HU ..
TO KABHI GURU KI GURBANI SE SIKHTA HU..

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU..

KABHI CHAND TARO SE BHARI RATON SE SIKHTA HU..
TO KABHI KUCHH KAHI UNKAHI BATON SE SIKHTA HU..

KABHI KABHI TO LOGO KI DI HUI GAALIO SE BHI SIKHTA HU..
AUR KABHI UN QAWWALON KI GAAYI HUI QAWWALIO SE SIKHTA HU..

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU ..

KABHI SARHAD PAR TAINAT JAWANO SE SIKHTA HU..
TO KABHI KABHI IN AASHIQ DEEWANO SE SIKHTA HU..

KABHI BHASHAN DENE WALE NETAO SE SIKHTA HU..
TO KABHI DIALOGUE BOLNE ABHINETAO SE SIKHTA HU..

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU..

AB KYA KARE JANAB ..
YU HAR DIN HI KUCHH SIKHNA SIKHANA AB EK AADAT BAN GYI HAI..
AUR CHHOOTTI NAHI HAI HAMSE,JSE KOI IBADAT BN GYI HAI

Sarthak Jain

4th Semester
Div B , M
BAJMC

अब के आना तो...

अब के आना तो, सब साथ ले जाना,
वो वफ़ा, वो इश्क़ के हर बात ले जाना।
तुझे देख जिन आंखों से कभी नूर झलकता था,
उन आंखों से बरसते बरसात ले जाना।

अब के आना तो सब साथ ले जाना...

अब हम पेश ना होंगे किसी भी इश्क़ के खिदमत में,
किसी ने सच कहा था मिलना मुकम्मल नही सबके क़िस्मत में।

तुम कहते थे मिलते हैं जो, वो खयालात ले जाना,
अब के आना तो सब साथ ले जाना...

सोचता हूं रोज तुझको, नामूकम्मल ख्वाब हो जैसे,
तेरी हर अदा हुबहू मुझे याद हो जैसे...

गुजरती नही जो करवटें बदलते वो रात ले जाना,
अब के आना तो सब साथ ले जाना...

- सुमित शुक्ल
BAJMC (4EB)

Abhishek Sajwan
BA(JMC)
4TH SEM / M/A

क्यों है तू थक रहा!!

आखिर क्यों है तू थक रहा
क्यों है तू झुक रहा
एक तरफ तो जल रही एक आग है
फिर भी कुछ नहीं कर पा रहा
क्योंकि आत्मविश्वास पे तेरे दाग है
जाग उठ और चल पड़
अंतरआत्मा का बस एक ही सवाल है
कि कैसे कुछ किए बिना है तू थक रहा

क्यों परेशानियों के सामने तू झुक रहा
है सब दिख रहा...उस जग के पालनहारी को
तू बस काम कर और पहले उसका नाम कर
तू बस सब्र रख शायद तेरी कामयाबी अभी है वो लिख रहा
तो क्यों है तो थक रहा
क्यों है तू झुक रहा
जब तेरा दिल है यह कह रहा
तो क्यों है तू डर रहा
उस राह पर चलने से
जिस राह पे कोई भी ना चल रहा
हां मानता हूं ये डर तेरा सामान्य है
मगर ये भी जानता हूं
कि इस डर से आगे बढ़कर जो जीत गया
हां जीत उसी की मान्य है
हां जीत उसी की मान्य है
तू कहता है---
मेरा क्या वजूद है दवाइयों पर मैं चल रहा
याद रख इन्सान है तू कलयुग का
विकृतियों की गोद में जो पल रहा
उसको हथियार बना
जो कुछ अब तक तूने है सहा
तू बस रख विश्वास
उस रब ने है ये कहा
तो क्यों है तू थक रहा
क्यों है तू झुक रहा
है सब दिख रहा उस जग के पालनहारी को
है सब दिख रहा उस बांके बिहारी को
तू बस काम कर और पहले उसका नाम कर
तू बस सब्र रख तू बस सब्र रख!!!!

मोहब्बत अब नहीं होगी

टूटा है दिल इस क़दर
की मरम्मत अब नही होगी,
नफ़रत होगई है इतनी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।
सराफत की नजाकत है,
ये जो भी हश्र है मेरा।
थक गए हैं करके,
सराफत अब नही होगी।

देख कर झलकता था तुझे चेहरे पर जो मुस्कान हो कोई,
जैसे तेरी सूरत फूलों का बगान हो कोई,

रुलाया इस कदर तूने
की मुस्कुराहट अब नही होगी,
नफ़रत हो गई है इतनी
की मोहब्बत अब नही होगी।

तुम्हें बुलाया था ना इस दिल ने किसी भी अर्जी से,
तुम पास आए और गए अपनी मर्जी से,
अब दिल से खेलो तुम,
इसकी इजाज़त अब नहीं होगी,
नफ़रत हो गई है इतनी,
की मोहब्बत अब नही होगी।

जिस्म देखेंगे तो आशिक़ मिल जाएंगे कई सारे,
निभाने की करोगे बात तो, दहल जाएंगे वो सारे,

जिस सिद्दत से चाहा था तुम्हे,
वो चाहत अब नही होगी,
नफ़रत हो गई है इतनी
की मोहब्बत अब नही होगी।

पोहचेगा जनाजा मेरा जब शमशान तो लपटें ये बात बोलेंगी,
जिस्म दिखेंगी मेरे तो कई राज खोलेंगी,

कहेंगी जल गया है बहुत पहले,
इससे मुझे शिकायत अब नही होगी।
नफ़रत हो गई है इतनी की
मोहब्बत अब नही होगी।

चाहत है अब बस ये की हर गम गुजर जाएं,
चले ऐसी हवा की सांस थमें और हम गुजर जाएं।

अब जीने की कोई,
इबादत अब नही होगी,
नफ़रत हो गई है इतनी,
की मोहब्बत अब नही होगी।

Aditi shukla
BA(JMC)
4TH SEM
M/A

बलात्कार

4 अक्षरो का शब्द है ना ये
किसी की जिंदगी चीर कर चला गया
कोई अंधेरी रात में जिस्म खोल गया
तो कोई उगते सूरज के सामने जला गया

क्या कर लोगे तुम इन जलती मुंबई का, उसके जाने के बाद आवाज उठाने का?
अरे जो खेल गया आज उसके जिस्म के साथ वो तो फिर तारीखों के आगे बच गया

न मर्यादा आई रास्ते में
न संस्कार को याद कर गया
न कृष्णा आए कृष्णा को बचाने
न सीता के लिए आवाज उठाया

सती बन कर जलती रही वो घर की उस चुखट पे
उसके पिता दोस्त और फिर आशिक ने जिस्म की भुख दिखाई

आज फिर समन का आंचल चीर गया
फिर से एक निर्भय जन्मी है
इस हवा से भरी दुनिया में
फिर से एक बेटी जन्मी है

हर लड़की को आज मैं याद दिलाना चाहता हूं
तुम्हारे फिर से कलयुग के नंगे में मैं आज बताता हूं

तू बचा ले आपने जिस्म को ये रूह निकल कर खा जाएंगे
ये रिश्ते न भूल कर अपनी हवा मित्ता जाएंगे
तुझे लाज अपनी खुद बचनी पद जाएगी
शास्त्र उठान पद जाएंगे
ये राम बोलकर दुशासन बन जाएंगे

आयुषी बडोनी
BBA | Eve | 4A

समृद्धि शर्मा
BBA Sem- I
Div-B(Evening)

पंख देकर खुद से ही
रुकने को कह जाते है
चाहते तो है वो बहुत कुछ
पर इस समाज से घबराते है
सपने पूरे करना हमारा
उनका भी तो ख्वाब है
देख हमें उचाइयों पर
बढ़ता उनका अभिमान है
हमारी ही तो खुशियों में
बसा उनका संसार है
यह खबरें चोरी हिंसा की
उनके जी का जंजाल है
चोट हमारे लग जाए
वो सेहन नही कर पाते है
बाहर हमारे जाने पर
वो जाएज़ ही घबराते है
बलात्कार के हाल देख
सब शर्मिंदा हो जाते है
ऐसे इस माहौल में वो
कैसे तुमको कहीं जाने दे
बेटी हो तुम उनकी
कैसे तुम्हें वो खो जाने दे

Manya grover

Waqt waqt ki baat hai..

Waqt waqt ki baat maine waqt badalte dekha hai
Jinse umeed na thi badalne ki unhe sath chodhte dekha hai
Jaan se pyaare jo the unhe praya hote dekhe hn ,maine apne yaar ko bhi badalte dekha hai
Kon kheta hai rishte badalte nhi
Maine toh jaan se anjaan banne ka safar bhi dekha hai
Waqt waqt ki baat hai maine waqt badalta dekha hai..!

Jo jitna kareeb hai whi ek din utna door hojata hai
Kbhi jaan se anjaan banjata hai..
Minto mai sath badal lete h ,
kon kheta hai hote nhi rishte purane kisi naye ke aajane se
maine toh apni aankhon apni jaan ko door hote dekha hai
Waqt waqt ki baat hai maine waqt badalte dekha hai..

Dost kayi hai par har baar zarooret pdhne par khud ko akela paaya hai
Hn maine har dard ko akela he saha hai
Khete toh sab hai ki smjhta hu mai ,
Par asal mai koi samjhne wala mila he kaha hai
Maine toh zindigi bhar hath pakdh ke
chine ke vaade krne wale logo ko bhi badalte dekha hai..
Waqt waqt ki baat hai maine waqt badalte dekha hai..

Umeed thi jisse sath nibhane ki usse mujhse peecha chudate dekha hai
Maine khudko akelepan mai dard sehte dekha hai
Aankh bnd krke vishvas tha jispe usse kisi aur ke liye badalte dekha hai
Waqt waqt ki baat hai maine waqt ko badalte dekha hai..
Mere kareeb tha jo sabse , usse kisi aur ka hote dekha hai
Waqt waqt ki baat h janab , maine waqt badalte dekha hai.!

LIST OF BENEFICIARIES

S.No	Name	Remarks
1	Anamika Pandey	1st
2	Sarthak jain	2nd
3	Namrata Grover	Participant
4	Aditi Shukla	Participant
5	Ayushi	Participant
6	Komal Rayat	Participant
7	Samriddhi sharma	Participant
8	Abhishek Sajwan	Participant
9	Sumit Shukla	Participant
10	Surabhit	Participant
11	Yiesha	Participant
12	Vishesh	Participant
13	Rishika	Participant
14	Varun	Participant

Ms. Vaishali Prasad
Program Officer-NSS